

प्रेषक,

अरुण कुमार ढोंडियाल,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा :

निदेशक,  
समाज कल्याण उत्तराखण्ड,  
हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून दिनांक : 25 अप्रैल, 2008

विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत बाल कल्याण से सम्बन्धित अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत/आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशियों की वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शारानादेश संख्या : 267/XXVII/(1)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-15 के आयोजनागत पक्ष में ₹0 47,20,000/- (₹0 सैतालीस लाख बीस हजार मात्र) एवं आयोजनेत्तर पक्ष में ₹0 3,44,27,000/- (₹0 तीन करोड़ चत्वारसीस लाख सत्ताईस हजार मात्र) की धनराशि संलग्नानुसार निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फेजिंग (त्रैमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशप्लॉन् निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
2. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए, और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
3. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
4. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहें वो वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में सम्पूर्ण मुख्य /लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्याही से अनुदान संख्या-15 तथा आयोजनागत/आयोजनेत्तर शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
5. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर ले कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
6. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अवचनबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व वित्त विभाग की सहमति प्राप्त की जाए।



- 7 यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अन्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
- 8 अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
- 9 उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
- 10 समस्त उपकरण व संयंत्र का क्रय, वाहन का क्रय एवं कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय की स्वीकृतियों के लिए औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को पृथक् से उपलब्ध कराये।
- 11 बी०ए० 13 पर संकलित मासिक सूचनाएं नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
- 12 इस सम्बन्ध में होना वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-15 के "आयोजनागत/आयोजनेत्तर पक्ष" में संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक ईकाईयों के नामे डाला जायेगा।
- 13 यह आदेश वित्त विभाग के अ०शा० संख्या : 25(P)XXVII(3)/2008-09 दिनांक 21 अप्रैल, 2008 में प्राप्त उनकी राहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक / यथोक्त

भवदीय,

(अरुण कुमार ढौंडियाल)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या 270/XVII-02/08-बजट 10(10) 2008, तददिनांक :

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमाऊँ, उत्तराखण्ड।
3. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. आयुक्त निःशक्तजन उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
9. बजट, राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड राधिवालय परिसर, देहरादून।
10. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. समाज कल्याण, नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. आदेश पंजिका।

आज्ञा से,  
(आर० के० चौहान)  
अनु सचिव।

अनुदान संख्या-15

आयोजनागत

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2235-02-102-07-00  
 मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण  
 उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण  
 लघु शीर्षक : 102-बाल कल्याण  
 उप शीर्षक : 07-संस्थानों/गृहों का संचालन  
 ब्यौरेवार शीर्षक : 00

(धनराशि हजार रुपये में)

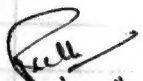
मानक मद	अवटित धनराशि
01-वेतन	2000
03-गहंगाई भत्ता	1500
06-अन्य भत्ते	220
48-गहंगाई वेतन	1000
योग	4720

(रुपये सैतालीस लाख बीस हजार मात्र)

(धनराशि हजार रु० में)

अनुदान संख्या-15 (आयोजनागत) का महायोग	4720
---------------------------------------	------

(रु० सैतालीस लाख बीस हजार मात्र)

  
 (आर० के० चौहान)  
 अनु सचिव।

अनुदान संख्या-15

आयोजनेत्तर

मतदेय

01/2000

लेखाशीर्षक : 2235-02-102-04-00  
मुख्य शीर्षक : 2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण  
उप मुख्य शीर्षक : 02-समाज कल्याण  
लघु शीर्षक : 102-बाल कल्याण  
उप शीर्षक : 04-परिवीक्षा सेवा क्षेत्र  
ब्यौरेवार शीर्षक : 00

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	अवंटित धनराशि
01-वेतन	
03-महंगाई भत्ता	1600
04-यात्रा व्यय	1200
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	25
06-अन्य भत्ते	50
08-कार्यालय व्यय	176
09-विद्युत देय	50
10-जलकर/जलप्रभार	50
11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई	10
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	25
13-टेलीफोन पर व्यय	20
15-गाड़ियों का अनुरक्षण और पेट्रोल आदि की खरीद	50
17-किराया, उपशुल्क और कर-स्वामित्व	25
18-प्रकाशन	50
19-विज्ञापन, बिक्री और विख्यापन व्यय	5
27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	10
42-अन्य व्यय	50
44-प्रशिक्षण व्यय	50
45-अवकाश यात्रा व्यय	10
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण/तत्सम्बन्धी स्टेशनरी का क्रय	50
48-महंगाई वेतन	50
योग	800
	4356

(रुपये तिरालीस लाख छप्पन हजार मात्र)